1 - सुरः अल-फातिहा

मक्का में नाजिल हुई और इसकी 7 आयतें हैं !

बिस्मिल्ला-हिर्र-रहमानिर-रहीम

शुरू करता हूँ अल्लाह के नाम से जो रहमान व रहीम है।

بسم الله الرحمن الرحيم

1. **अल्लाह के नाम से जो रहमान व रहीम है।**
2. **तारीफ़ अल्लाह ही के लिये है जो तमाम क़ायनात का रब है।**
3. **रहमान और रहीम है।**
4. **रोज़े जज़ा का मालिक है।**
5. **हम तेरी ही इबादत करते हैं, और तुझ ही से मदद मांगते है।**
6. **हमें सीधा रास्ता दिखा।**
7. **उन लोगों का रास्ता जिन पर तूने इनाम फ़रमाया, जो माअतूब नहीं हुए, जो भटके हुए नहीं है।**